(4) नागरिक स्वतंत्रताएँ — नागरिक स्वतंत्रता का तात्पर्य विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, सम्मेलन और संगठन की स्वतंत्रता से है। लोकतंत्र में लोकमत ही शासन को मर्यादित और नियंत्रित रख सकता है।

(5.) लिखित संविधान और प्रजातांत्रिक परम्पराएँ: — सरकार के रूप तथा व्यक्तियों के अधिकार और कर्तव्य आदि के बारे में सामान्य व्यक्ति को जो जानकारी लिखित संविधान द्वारा ही प्राप्त होता है। साथ प्रजातांत्रिक परम्पराएँ भी प्रजातंत्र की सफलता के लिए जरूरी है। अमेरिका और स्विटजरलैण्ड में लोकतंत्र की सफलताओं का श्रेय वहाँ के श्रेष्ठ राजनीतिक परम्पराओं को ही दिया जा ~~सकता~~ सकता है।

(6) समानता पर आधारित सामाजिक व्यवस्था:- समाज के अन्तर्गत जन्म, जाति, रंग, धर्म, सम्प्रदाय आदि के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए तथा सबको समान महत्व दिया जाना चाहिए। ऐसी सामाजिक व्यवस्था में ही लोकतंत्र भली प्रकार काम कर सकता है।

(7) समाज में एकता की भावना — जिस राज्य की जनता भाषा, जाति और प्रान्तीय भेदों को ज्यादा महत्व देते हो, वहाँ लोकतंत्रीय व्यवस्था को कार्यकरने में ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ता है। हर्नशा के अनुसार- "एकता का दृढ़भाव व सामुदायिक जीवन की व्यापकता लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है।"

(8) स्थानीय स्वशासन - स्थानीय स्वशासन जनता में सार्वजनिक समस्याओं को समझने उनका निदान खोजने की रुची उत्पन्न करता है और इससे उनको राजनीतिक प्रशिक्षण मिल

जाता है। ब्राईस के शब्दों में- "प्रजातंत्र (4)
का सर्वश्रेष्ठ शिक्षणालय और प्रजातंत्र की
सफलता की सबसे बड़ी गारण्टी स्थानीय स्वशासन
का चलन है।"

(9) स्वस्थ और सुदृढ़ राजनीतिक दल – क्षेत्रफल
और जनसंख्या की अधिकता के चलते विश्व
के अधिकांश देशों में प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र
ही ही प्रचलित है, और प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र
राजनीतिक दलों के माध्यम से ही कार्य करता है।
प्रजातंत्र की सफलता के लिए यह जरूरी है कि
राजनीतिक दलों का गठन राजनीतिक एवं आर्थिक
कार्यक्रमों के आधार पर हो न कि जातिय, धार्मिक
और प्रान्तीय आधार पर।

(10) न्यायप्रिय बहुमत और सहनशील अल्पमत-
लोकतंत्र बहुमत का अत्याचार न बन सके
इसके लिए जरूरी है कि बहुमत को मनमानी
करने से बचना चाहिए तथा उसे न्यायप्रिय होना
चाहिए साथ ही अल्पमत में संविधान और
कानून का सम्मान करने की प्रवृत्ति होनी चाहिए।

(11) बुद्धिमान और सतर्क नेतृत्व- प्रजातंत्र की
सफलता के लिए यह जरूरी है कि इसके नेताओं में
उचित निर्णय शक्ति, साहस, योग्यता, चारित्रिक
गुण आदि होने चाहिए।

(12) विश्व शान्ति की स्थापना - प्रजातंत्र की सफलता
के लिए विश्व शान्ती जरूरी है क्योंकि युद्धकाल
अधिकांशत शासक प्रजातांत्रिक प्रक्रिया की जगह
स्वेच्छाचारिता की दिशा में बढ़ने लगता है।

(13) योग्य और निष्पक्ष नागरिक सेवाएँ – जनप्रतिनिधि
तो सिर्फ नीति बनाते हैं उन्हे नागरिक सेवाओं द्वारा ही
~~क्रियान्वित~~ क्रियान्वित किया जाता है। यदि नागरिक सेवाओं
के सदस्य योग्य, निष्पक्ष और कुशल हों तो प्रशासनिक कुशलता
~~रहती है~~ रहती है और श्रेष्ठ शासन संभव हो सकता है।

— o —

Scanned with CamScanner